Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 29 ◻ अंक- 41 ◻ रायपुर, शुक्रवार 6 मार्च 2026 ◻ पृष्ठ-8 ◻ मूल्य- 2.50 रुपया ● रायपुर ● जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

अलग-अलग सड़क हादसों में 10 यात्रियों की मौत, कई घायल

रायपुर/बलौदाबाजार/जशपुर/, 6 मार्च (हाईवे चैनल)। रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे (एनएच-130) पर शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से यात्री बस को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक यात्री घायल हो गए हैं। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है।

इधर जशपुर जिले से बड़ी खबर सामने आई है। करडेगा से कुनकुरी आ रही एक यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण हादसे में 6 यात्रियों की मौत हो गई है, जिसमें एक बच्चा भी शामिल है। वहीं 9 लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटनाग्रस्त बस अनमोल बस एजेंसी का बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार यह हादसा सिमगा थाना क्षेत्र के दरचूरा गांव के पास सुबह करीब 11 बजे हुआ। बिलासपुर की ओर जा रही यात्री बस को पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार कई यात्री अंदर ही फंस गए और उन्हें बाहर निकलने का मौका ही नहीं मिला। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। हादसे में 4 यात्रियों की मौत हो गई है। वहीं 12 लोग घायल बताए जा रहे हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए सिमगा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही सिमगा थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू करते हुए मामले की जांच में जुट गई है। वहीं पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है।

सिमगा थाना क्षेत्र के दरचूरा गांव के पास हुआ हादसा

करडेरा से कुनकरी के पास हुए हादसे में बस में दो दर्जन से अधिक यात्री सवार थे। दुर्घटना करडेगा चौकी क्षेत्र के गोड़ाअंबा के पास हुई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसे में कई यात्री घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए कुनकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हो गया और घटनास्थल पर एम्बुलेंस भेजी गई। वहीं मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की ओर से सभी घायलों के बेहतर इलाज के लिए तत्काल निर्देश जारी किए गए हैं। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

राज्यसभा चुनावों से पहले कई राज्यपाल बदले गए

आर.एन. रवि बंगाल तो वी.के. सक्सेना को मिली लद्दाख की कमान

नई दिल्ली, 6 मार्च (न्यूज चैनल)। आगामी राज्यसभा चुनावों से ठीक पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को देशभर के राज्यपालों और उपराज्यपालों के पदों में व्यापक प्रशासनिक फेरबदल किया है। राष्ट्रपति भवन से जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि को पश्चिम बंगाल का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। उन्होंने डॉ सी वी आनंद बोस का स्थान लिया है, जिन्होंने गुरुवार को ही इस्तीफा दे दिया था।

व्यापक प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत, विनय कुमार सक्सेना को दिल्ली के उपराज्यपाल पद से स्थानांतरित करके लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया है, जबकि पूर्व राजनयिक तरनजीत सिंह संधू को दिल्ली का नया उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तनों में, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को तेलंगाना का राज्यपाल बनाया गया है, जबकि तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा को स्थानांतरित करके महाराष्ट्र का राज्यपाल बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव को नागालैंड का राज्यपाल और सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन को बिहार का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, लद्दाख के निवर्तमान उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता को हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया है, और केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर तमिलनाडु के राज्यपाल के अतिरिक्त कार्यभार संभालेंगे। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ये नियुक्तियाँ संबंधित नियुक्त व्यक्तियों के अपने कार्यालयों का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होंगी। इस बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नव नियुक्त उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू का औपचारिक रूप से स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि दिल्ली को उनके व्यापक राजनयिक अनुभव से काफी लाभ होगा।

ब्रेकिंग न्यूज

कर्नाटक में सोशल मीडिया पर लगेगा प्रतिबंध

नई दिल्ली, 6 मार्च (न्यूज चैनल)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने अपने हालिया बजट प्रस्तुति के दौरान 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर राज्यव्यापी प्रतिबंध की घोषणा की, जिसका उद्देश्य युवाओं में मोबाइल फोन की बढ़ती लत को रोकना है। इस नीति का लक्ष्य युवा दिमागों को व्यसनकारी एल्गोरिदम, साइबरबुलिंग, मानसिक स्वास्थ्य जोखिमों और हानिकारक सामग्री के संपर्क से बचाना है, जिसे विशेषज्ञ किशोरों में चिंता, अवसाद और नींद में गड़बड़ी से जोड़ते हैं। सिद्धारमैया ने कहा कि IISC के अंतर्गत AI और टेक पार्क, ISRO और Keonics के सहयोग से बैंगलोर रोबोटिक्स और एआई इनोवेशन ज़ोन नामक एक रोबोटिक्स और ड्रोन कैंपस स्थापित करेगा। मोबाइल के बढ़ते उपयोग के प्रतिकूल प्रभावों को रोकने के लिए 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

जदयू का नीतिश कुमार के बेटे को सौंप सकती है कमान

नई दिल्ली, 6 मार्च (न्यूज चैनल)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल करने के एक दिन बाद, पार्टी सूत्रों ने बताया कि जनता दल (यूनाइटेड) के बेटे निशांत कुमार को जल्द ही पार्टी की कमान सौंपी जा सकती है। इस घटनाक्रम ने पार्टी के भीतर उसके भावी नेतृत्व और संगठनात्मक दिशा को लेकर गहन चर्चाओं को जन्म दिया है।

नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने से जेडीयू में उत्तराधिकार का प्रश्न खुल गया है, जो इस बात को लेकर आंतरिक मतभेदों से जूझ रही है कि आगे पार्टी का नेतृत्व कौन करेगा। कई वरिष्ठ नेता इस दौड़ में शामिल बताए जा रहे हैं, जिनमें कार्यवाहक राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, केंद्रीय मंत्री ललन सिंह और बिहार के मंत्री अशोक चौधरी और विजय चौधरी शामिल हैं।

असम में वायुसेना का सुखोई एसयू-30 एमकेआई दुर्घटनाग्रस्त, 2 पायलट शहीद

नई दिल्ली, 6 मार्च (न्यूज चैनल)। भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को पुष्टि की है कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में एक सुखोई एसयू-30एमकेआई फाइटर जेट के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो जांबाज पायलट शहीद हो गए हैं। यह हादसा गुरुवार शाम उस समय हुआ जब विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था। भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को पुष्टि की है कि असम के कार्बी आंगलोंग जिले में एक सुखोई एसयू-30एमकेआईफाइटर जेट के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो जांबाज पायलट शहीद हो गए हैं। यह हादसा गुरुवार शाम उस समय हुआ जब विमान एक नियमित प्रशिक्षण मिशनपर था।

एक बयान में, ड्रब्ज़ ने पायलटों की पहचान स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट पुरवेश दुरगकर के तौर पर की। आज सुबह, आईएएफ ने कन्फर्म किया था कि फ़ाइटर जेट जोरहाट एयरबेस से लगभग 60 कि.मी. दूर कार्बी आंगलोंग के एक पहाड़ी इलाके में गिरा। आईएएफ ने एक बयान में कहा, एसयू-30एमकेआईजो एक ट्रेनिंग मिशन पर था, जोरहाट से लगभग 60 कि.मी. दूर कार्बी आंगलोंग के इलाके में क्रैश हो गया। सर्च ऑपरेशन चल रहे हैं। गुरुवार को जोरहाट से सुखोई के उड़ान भरने के बाद, प्लेन का ग्राउंड कंट्रोल से आखिरी कम्युनिकेशन शाम 7.42 बजे हुआ था। 2000 के दशक की शुरुआत में एयर फ़ोर्स में शामिल किया गया सुखोई एसयू-30एमकेआई सबसे काबिल फ्रंटलाइन कॉम्बैट एयरक्राफ्ट में से एक माना जाता है।

लक्ष्मी वर्मा ने भाजपा-फूलोदेवी नेताम ने कांग्रेस से नामांकन दाखिल किया

रायपुर, 6 मार्च (हाईवे चैनल)। भारतीय जनता पार्टी की राज्यसभा प्रत्याशी लक्ष्मी वर्मा ने आज विधानसभा पहुँचकर अपना आधिकारिक नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। नामांकन दाखिल करने के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल,भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्री केदार कश्यप, टंक राम वर्मा, दयालदास बघेल, लक्ष्मी रजवाड़े, श्याम बिहारी जायसवाल, गुरु खुशवंत साहेब, गजेंद्र यादव, सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, विजय बघेल, पूर्व मंत्री एवं विधायक अजय चंद्राकर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक धरमलाल कौशिक सहित मंत्रीगण, भाजपा विधायकगण , भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।सहित कैबिनेट के कई वरिष्ठ मंत्री उनके समर्थन में उपस्थित रहे। छत्तीसगढ़ की राजनीति में लक्ष्मी वर्मा का नामांकन महिला नेतृत्व और जमीनी कार्यकर्ताओं को तरजीह देने का संकेत है। राज्यसभा में राज्य का प्रतिनिधित्व बढ़ने से स्थानीय मुद्दों को केंद्र में अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।

राज्यसभा चुनाव

इधर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने फूलो देवी नेताम को अपना आधिकारिक प्रत्याशी बनाया है। आज रायपुर स्थित विधानसभा सचिवालय में उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। फूलो देवी नेताम पर दोबारा भरोसा जताना कांग्रेस की आदिवासी कार्ड और महिला नेतृत्व को मजबूती देने की रणनीति का हिस्सा है। बस्तर क्षेत्र से आने वाली नेताम का राज्यसभा जाना छत्तीसगढ़ के आदिवासी हितों और स्थानीय मुद्दों को दिल्ली के उच्च सदन में पुरजोर तरीके से उठाने में सहायक होगा। नामांकन के दौरान कांग्रेस की एकजुटता नजर आई। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

गणेश शंकर मिश्रा ने राज्य नीति आयोग उपाध्यक्ष का पदभार संभाला

रायपुर, 6 मार्च। नवा रायपुर स्थित राज्य नीति आयोग कार्यालय में आज गणेश शंकर मिश्रा ने उपाध्यक्ष पद का विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है। इस गरिमामय समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विशेष रूप से शामिल हुए और उन्होंने नए उपाध्यक्ष को गुलदस्ता भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी।

राज्य नीति आयोग छत्तीसगढ़ के भविष्य के विकास का रोडमैप तैयार करने वाली सबसे बड़ी संस्था है। गणेश शंकर मिश्रा की नियुक्ति से प्रशासनिक अनुभवों का लाभ नीतियों के निर्माण में मिलेगा, जिससे सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन ग्रामीण स्तर पर अधिक प्रभावी और पारदर्शी हो सकेगा। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य नीति आयोग प्रदेश के दीर्घकालिक विकास विज़न को साकार करने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि छत्तीसगढ़ में साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और विभागों के बीच बेहतर तालमेल से विकास की रफ्तार को नई गति दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार सुशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि गणेश शंकर मिश्रा के नेतृत्व में आयोग ऐसी प्रभावी नीतियां बनाएगा जो छत्तीसगढ़ को समावेशी विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगी। समारोह में कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। आने वाले दिनों में उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा विभिन्न विभागों के सचिवों के साथ बैठक कर राज्य के आगामी बजट और विकास लक्ष्यों की समीक्षा करेंगे।

नक्सली डंप ढूंढने गए जवानों से हुई मुठभेड़, एक ढेर

भारी मात्रा में हथियार व नक्सली सामग्री बरामद

जगदलपुर, 6 मार्च (हाईवे चैनल)। थाना गीदम क्षेत्रांतर्गत ग्राम गुमलनार, गिरसापारा एवं नेलगोड़ा के मध्य जंगल-पहाड़ क्षेत्र में नक्सली सामग्री एवं हथियार डम्प होने की विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक दंतेवाड़ा निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (नक्सल ऑप्स) राहुल कुमार उयके के नेतृत्व में डीआरजी एवं बस्तर फाइटर्स के जवानों का बल योजनाबद्ध तरीके से रवाना किया गया। लगभग 12.30 बजे पुलिस बल संभावित डंप स्थल की ओर रवाना होकर जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सघन सर्चिंग एवं घेराबंदी कर आगे बढ़ रहे थे। रात्रि लगभग 8.30-9 बजे पूर्व से घात लगाए बैठे भैरमगढ़ एरिया कमेटी के 08-10 सशस्त्र माओवादियों द्वारा पुलिस पार्टी की हत्या कर हथियार लूटने की नीयत से अवैध स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध जानलेवा फायरिंग की गई। इस दौरान पुलिस पार्टी द्वारा तत्काल उचित आड़ लेकर माओवादियों को आत्मसमर्पण हेतु चेतावनी दी गई, किंतु उनके द्वारा फायरिंग लगातार जारी रखी गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निर्देशानुसार जवानों द्वारा आत्म सुरक्षार्थ संयमित एवं सटीक जवाबी फायरिंग की गई।

खाड़ी देशों में फंसे 12 हजार भारतीयों ने मोदी सरकार से लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली, 6 मार्च (न्यूज चैनल)। पश्चिम एशिया में भड़की अमेरिका-इजराइल-ईरान जंग के सातवें दिन हालात और भयावह हो गए हैं। लगातार हो रहे हमलों और बंद होते हवाई रास्तों के बीच खाड़ी देशों में फंसे भारतीयों की बेचैनी तेजी से बढ़ रही है। रिपोर्टों के अनुसार करीब 12 हजार भारतीय नागरिकों ने अपने वतन लौटने के लिए भारत सरकार से मदद मांगी है और क्षेत्र में स्थित भारतीय दूतावासों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि सबसे ज्यादा संकट संयुक्त अरब अमीरात में दिखाई दे रहा है। ईरान की तरफ से लगातार हो रहे हमलों के कारण वहां का हवाई क्षेत्र लगभग बंद है और सामान्य उड़ान सेवाएं पूरी तरह ठप पड़ी हैं। इस कारण हजारों भारतीय यात्री वहां फंस गए हैं और उनके सामने घर वापसी का रास्ता लगभग बंद हो गया है। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार, इन फंसे हुए भारतीयों में बड़ी संख्या उन लोगों की है जो थोड़े समय के लिए घूमने या किसी काम से संयुक्त अरब अमीरात गए थे। इनमें ऐसे यात्री भी शामिल हैं जो किसी अन्य देश जाने के लिए वहां रुके हुए थे। इसके अलावा कई छात्र भी इस संकट में फंस गए हैं क्योंकि ईरानी हमलों के बाद कई शिक्षण संस्थानों को बंद करना पड़ा है या पढ़ाई को ऑनलाइन माध्यम से चलाया जा रहा है। यह भी बताया जा रहा है कि युद्ध शुरू होने के केवल दो दिन बाद ही करीब 22 हजार भारतीय नागरिकों ने भारत सरकार से संपर्क कर देश लौटने की इच्छा जताई थी। यह संख्या अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि खाड़ी क्षेत्र में बसे भारतीयों के सामने किस प्रकार की असुरक्षा और भय का माहौल पैदा हो गया है। हालांकि पिछले तीन दिनों में कुछ अस्थायी और विशेष उड़ानों के जरिए करीब दस हजार भारतीयों को वापस लाया जा चुका है, लेकिन अभी भी हजारों लोग अलग अलग देशों में फंसे हुए हैं और उनके लिए सुरक्षित वापसी की व्यवस्था अभी तक पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

रशियन ऑयल पर यूएस की छूट से भड़का विपक्ष राहुल गांधी ने संप्रभुता पर उठाए बड़े सवाल

नई दिल्ली, 6 मार्च (न्यूज चैनल)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को भारतीय विदेश नीति को एक भ्रष्ट व्यक्ति का शोषण बताया। यह बयान तब आया जब अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले समुद्री मार्गों में व्यवधान के बीच भारत को रूसी तेल खरीदने की छूट दे दी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार (स्थानीय समय) को पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के दौरान ईरान का मुकाबला करने के लिए 30 दिन के इस उपाय की घोषणा की, जिससे कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाले खाड़ी देशों पर गंभीर असर पड़ा है।

संप्रभुता के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि नई दिल्ली की विदेश नीति देश के इतिहास और मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। गांधी ने लिखा कि भारत की विदेश नीति हमारे लोगों की सामूहिक इच्छा से उत्पन्न होती है। यह हमारे इतिहास, हमारे भूगोल और सत्य एवं अहिंसा पर आधारित हमारे आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित होनी चाहिए। आज हम जो देख रहे हैं वह नीति नहीं है। यह एक भ्रष्ट व्यक्ति के शोषण का परिणाम है। आज सुबह कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भी सवाल उठाया कि क्या भारत को अपने ऊर्जा स्रोतों पर निर्णय लेने के लिए अमेरिका से अनुमति की आवश्यकता है? अमेरिका के नव-साम्राज्यवादी अहंकार की आलोचना करते हुए कांग्रेस नेता ने लिखा कि 30 दिन की छूट जारी करना - यह खोखली भाषा नव-साम्राज्यवादी अहंकार से भरी है। क्या हम कोई ऐसा देश हैं जिसे अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए अमेरिका की अनुमति की आवश्यकता है? अमेरिका के बयान पर नई दिल्ली की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए तिवारी ने आगे कहा कि एक अति-वाक्पटु सरकार की यह चुप्पी चौंकाने वाली है। क्या इसे संप्रभुता का अर्थ नहीं पता? कांग्रेस की यह टिप्पणी अमेरिकी वित्त मंत्री के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने घोषणा की थी कि विभाग ने भारत को रूसी तेल खरीदने की अनुमति देते हुए 30 दिन की छूट जारी की है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। वाशिंगटन ने कहा कि वह इस अल्पकालिक छूट के बाद नई दिल्ली से अमेरिकी तेल की खरीद में वृद्धि की उम्मीद करता है।